हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया

सभ्यताएँ नष्ट हो जाती हैं, पर शिलालेख, चित्रलेख व पुस्तकों बची रहती हैं। और ये हमारी संस्कृति की संवाहक हैं। इसलिए इन्हें सहेज कर रखना जरूरी है। देश भर में किसी प्रदेश का यह पहला एन्साइक्लोपीडिया है जिसे रिकॉर्ड समय में मात्र डेढ़ साल की अवधि में सम्पूर्ण किया गया है।

मुख्यमंत्री वीचरी भूपेन्द्रसिंह हुन्हा विमोचन के अवसर पर

मुख्य सम्यादक डॉ. कृष्ण कुमार खण्डेलवाल, *आई.ए.एस*.

प्रबन्ध सम्पादक

शिवरमन मौड्, आई.ए.एस.

सम्बद्धः डॉ. शमीम शर्मा

सदा

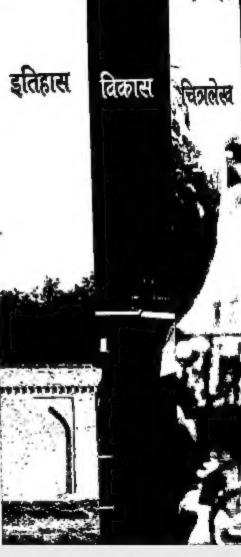
समय

सह सम्पादक









Sri Satguru Jagjit Singh Ji Elibrary

क की बात

अपने उपलब्ध आलेखों और हडप्पा सध्यता और माया गाज हमारे पास उपलब्ध है, यह

य इतिहास में विकास की नई । विकास का रोल मॉडल है । मेरे

तात्विक संकेतों और प्राचीन

के भूगोल, इतिहास, संस्कृति, हर पहलू को एकत्रित कर तशित किया जाय । और इसकी ा के रूप में पाठकों के हाद्यों में ह भारतवर्ष में किसी भी प्रदेश

सीमित समय में हरियाणा प्रस्तुत किया है। -डॉ. कृष्य कुमार सम्बेतकस असर्व, ए. एस.

म एन्साइक्लोपीडियर है। हमने

भूगोल खण्ड 1 और 2

भूगोल खण्ड में हरियाणा की त्रिविध धरती—उत्तर में ज़िवालिक की हरीतिया-यंडित पहाड़ियों का सौन्दर्य, दक्षिण में अरावली की सुरूक पहाड़ियों में बहुमूल्य स्सेट का चत्यर और बीच में उपजाऊ मैदान-'धान का कटोरा', गेहैं, कपास का मंहार। तरावडी और जीवन नगर के बासमती चावल की सुगन्य का भरपूर आनन्द। साय ही सरस्वती, धन्वर और दृषद्वती नदियों की कल-कस ध्वति। हरियाणा के करीय सात हज़ार नीवों और सैकडों कस्बों-शहरों का

> प्रकाशक अरुण माहेश्वरी

भौगोलिक और सांस्कृतिक परिचय ।



वाणी प्रकाशन

4695, 21-ए, वरिवाणंत्र, नवी रिस्सी-310002 191#11#23273167 whr e dow: 0091#11#23275710

Prospe : www.vaniorakashan.in

NamdhariElibrary@gmail.com

संस्कृति दिसाहित्य

Sri Satguru Jagjit Singh Ji Elibrary



Sri Satguru Jagjit Singh Ji Elibrary

NamdhariElibrary@gmail.com

क्रेशाः 410

सुफी,

नाटक, राचना,

विध्यु

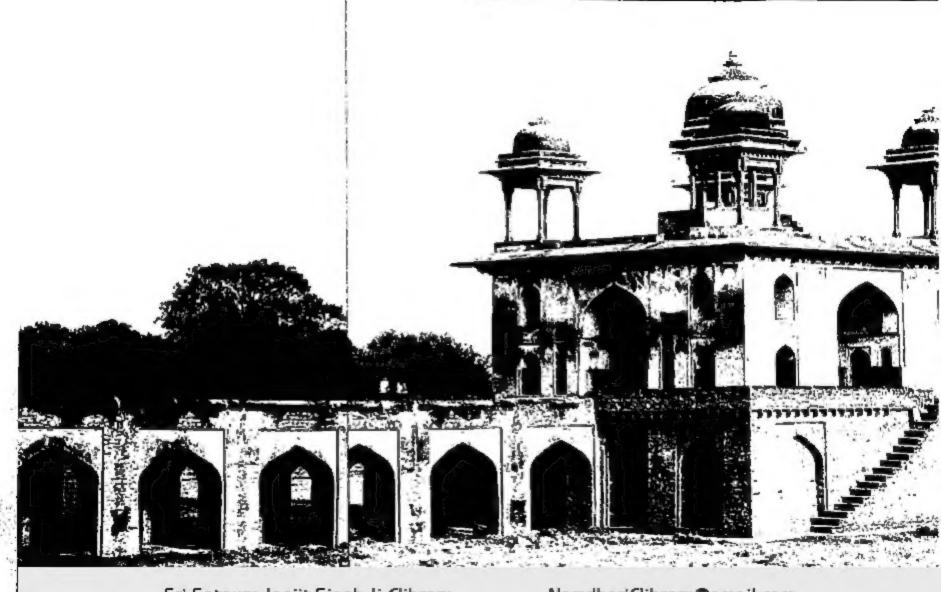
प्रकाश

छावड़ा

वेरवं स्तरमाहपरिभिताभिरेवाभिष्ट्यान्द्रःकथम्भिष्ट्याहिस्स्रित्त्रादः॥चत्रक्षर शाक्षा पछा अर्थवा १ ।। अष्ठा १ र ति ।। तद्य हक् न्यानत्य कल्यते थयल्छानी एव तह्वकल्यतेथयद्ध्नरचा श्वतु रक्षरवोषितयां खंदासिय्य (न्यु जिन थाक्षराणि वि 1.3 र-नर्धर्चदारम्बाभिष्ट्यात्रतिस्रायातम्बद्धिनतिस्रोनेपुरुष्श्वतुष्पादाःपरावीयनम नमे वतिह्रितिष्ठवातुषातसपशुषुत्रतिष्ठापयतितसार्धर्वव्यारावाभिष्ठयात्रराज्यना थ्यंदिनम्बंदिनरन्।याक्याभिष्टीतिकथम्यत्योःसबनयारिभेषुत्भवतितियदेवग यञीभिरभिष्टीतिम पत्रविपातः सबनतेनप्रातः सबनेधयञ्चनतिभिर्भिष्टीतिजागते । वैतः निम्बन्तेनन निषस्वन एवमुहास्यम् थ्यहिनमध्यहिन्राव्या व्यानिष्वनार

वेषुसनेषिभिष्टतं में तियर वंवेदनहारु पद्च्युर्वा वान्यान विज्ञतं भेषात् थक स्मार्ष 2 5 एनामसंत्रिषितःत्रितं पद्यतरिभनोवैद्यावस्तित्रीयासंत्रिषितवार्दमनतस्मादेषराता 7.4 मसंपेषितः प्रति द्योते २।। वाग्वेस ब्रह्मण्यातसि सामाराना वसः सामरानी ने क्रीने सु it to सण्याक्षयतियथाथे अमुपद्भयने नवत्सनप्रमानासर्वान्कामानुहेसवान्हास काम नागुहेयर वेबहत हाइन्द्री सुब्रह्म ण्यायसब्रह्मण्यात्वामितिवागवीते ब्रेयाद्रिकेष

महान्यसम्बद्धान्यतित्तव्हार्थकसादेनपुमासस्तिस्त्रीमिवासतद्तिवर्ण्यसम्



Sri Satguru Jagjit Singh Ji Elibrary



Sri Satguru Jagjit Singh Ji Elibrary

ोस सण्ड

त्रों द्वारा उपरोक्त पाँच खण्डों की धाशुच स्वरूप अंकित है। यह खण्ड : योग ज्यांच, रषुराय, रणबीरसिंड, के गुप्ता के छायाचित्रों से हरियाणा तस्वीर प्रस्तुत करता है। इसके च विभाग द्वारा प्रयत्त अनेक दुर्तम





मुख्य सम्पादक

शरियामा एनस्यकोपीतिया

विश्वा : वी.ई. (स्विता) एतएल औ., एलएल पूर्व , एम एससी. (आई टी.):
एम.सं.ए.; एम. कीम. (आई एस.): एम एस दुक्तुः , एम.ए. अर्थकारकः
एम.ए. समाजवारकः एम.ए. मानवाधिकारः एम.ए. लीक प्रवासकः एम.वी.ए.
एक.आर.एम.; एन.वी.ए. आई.टी.; एम.वी.ए. आई.बी.एम.; एम.वी.ए.
पार्टिएंगः पीएक डी. (पैनेकमेंट); एम.एक.ए. एमं.एक.सी.; पीन्ये डिज्यंको
(दुरित्म, आई.आर.एकं विज्यंक मैनेकमेंट); व्यक्तिय प्रवेत्य, व्यक्तिय विकारक
कार्य अनुभव : एसप्रीजी, किरोजपुर विकार सेंद्रजी डीआरडीए, पुरुगीन,
निवानी य मैनातः अतिविक्त प्रवासकः हरियाणा पंजीविक (आई.आईटीएककार्य अनुभव : एसप्रीजी, किरोजपुर विकारकः सेंद्रजी डीआरडीए, पुरुगीन,
निवानी य मैनातः अतिविक्त प्रवासकः हरियाणा पंजीविक लीकः सम्बर्धः एवं
मुख्या विकार कीम. विदेशकः एवं मेचुकां मिविक लीकः सम्बर्धः एवं
मुख्या विकार हार्यान सेंद्रज्ञ सुवान, हरियाणां एको दुक्ती कोवविकार वर्षामा । अतिविक्त प्रवास संवेद (पुरुवन्तिक स्वयं विकार) तथा विकार्यका एवं
प्रवास संवास सुवान, जन सम्बर्धः एवं साम्बर्धः विकारो विवार विकार्यका ।



शिवायत चंद्र भा गण प्रथम्य सम्बद्धिक वरिवाण राज्यक्तोसीर्दिक

विक्ता - आई.ए.एस. ची.ए. आनर्स (अर्पशास्त्र): एम.ए. (अंग्रेजी साहित्य): कित. (अंग्रेजी साहित्य): दिप्तोमा (अंग्रेजी साहित्य): त्योतिष वायस्पति कार्य अनुभव : प्रवक्ता अग्रेजी, राजकीय कॉलेज, नारनील एवं एल.एम. प्रवेतेज, रोहलकः, एस.डी.एस. एवं अतिरिक्त ज्यायुक्त, गारनील एवं सि ऑएसडी एवं उप प्रधान सीयद्य (पुरसमन्त्री, हरियाणा): अतिरिक्त आवर्षायतः भटापवन्यकः, कॉन्सेड, हरको वैंक तथा विकास एवं पंचायत विकास, उपवच्यतः कीर्यायः निदेशकः, जल परिवहन मन्त्रात्यः, चारत गर्यावायः, कीर्यायः, कीर्यायः, विद्याणाः कार्यायः, कीर्याणाः अध्यक्ष, तीर्याणाः प्रवेतिकः एसीरिस्यं, हरियाणाः अध्यक्ष, तीर्याणाः एसीरिस्यं, विवाणाः कीर्यापाः कार्यायः, वीर्याणाः एसीरिस्यं, विवाणाः कीर्यापिकः एसीरिस्यं, विवाणाः कीर्यापाः कार्यायः वायस्यः, हरियाणाः कार्यायः वायस्यः एसीरिक्यः प्रधान साविवः (पुस्थयन्त्री, हरियाणाः) तथा निदेशकः, जलै स



हां. गर्भान गर्भ शम्बादक श्रीवाणा गन्सक्टोगीरिका निवा : एप.ए. (स्थापंदक प्राप्त), एम.किज. हिन्दी (स्वापंदक प्राप्त), पीएव.डी. एरकोन निवापिकालय, करुकोन

प्रकाशन : क्रलांकां (तथुक्या), अंतन्मी नेटी की थिट्टी, पंचनाद किंन्युस्तान के समुद्र (आनेक्षा), पोचान के भक्षांत, चीचान के चाने, चीचान पे ताऊ (कास्य), चीचान (माधिक) सन्पादन, देनिक ट्रिब्यून एवं किन्दी मिलाप देनिक में लेक्स लेखन, कुत्रसंख (तप्ताया विशेष्णेक सन्पादन)

सापाजिक कार्यों में मोगदान : समाज सेवा कार्यों में उत्सूच्दता हेतु मृदर टेरेसा डास स्वर्ण पदार प्राप्त, सन 2003 में शप्टपित डाए एजत बदक से सम्मानित, तीस बार रक्तदान एवं उत्तदान कार्यों हेतु अनेक वार पुरस्कृत, उठीता रक्कवात आपंत्र के सक्य में उठीसा आकर पीड़ियों में सहत सामग्री वितरण, गुजरात भूकेंग्न आंववा के समय मुज, भुजरा एवं अंतर में सहत कार्य किया, कारीमत बुद्ध पीड़ित वरिवासे हेतु सहस्वता सीके एकवित करने में योगदान, दिसार की सामाजिक संस्था 'सहस्वता की देशांव्यक, 'दिसार वितर' एवं 'महिता बगति संस्थान' की सांक्य पराधिकारी जिन्हों की संस्थानक



 वेतन वन साः सन्पादक हरियाना गुन्तक्रमतेविकिः

विका । एम. ए. (प्राचीन मारतीय इतिहास, संस्कृति एवं युसतस्य), एम. लिय इन्कमैशन साईसः पीएच.डी. (साइबेरी एण्ड इन्कमेंशन साईस); कम्प्यूटर प्रसिद्ध दादा इंस्टीब्यूट ऑफ सीशल साइसिस मुख्यई, इन्डियन नेशनल साइति सोकपुण्डेम सेंडर, दिस्ती निसान, त्रीएसआईआर, दिस्ती से प्राप्त

कार्य अनुषयः पुरतकात्त्व अध्यक्षः, ३६ वर्षः लाइवेरी ऑटोपेशनः, १४ वर्षः स अनक्ष्यर वीत्स अवेटी, कुरुकेन विश्वविद्यात्त्वयः, कुरुकेनः सदस्यः, विश्वविद्यात्त्वयः क्रिकेनः सदस्यः, विश्वविद्यात्त्वयः, कुरुकेनः सदस्यः, नोर्ड ऑक यू.जी. स्टडीजः, कुर्तात्तरं चीरता विश्वविद्यात्त्वयः, खानपुरः संस्थायक पुस्तव्यात्त्याच्यक्षः, भक्षः पूरु महिता विश्वविद्यात्त्वयः, सामपुरः

विक्रेषः आजीवन सदस्यं, इतिवन लाइद्रेशी धुसीसियेशान एवं तरियाणा ला एससिद्धान सपुक्त सचिव, स्रीयाच्य लाइद्रेशी धुसीसियेशन, हिसार जिले में राज केमरी गाँव तथा ईवीएस में पुस्तकालच विस्तार सुविधा

वर्तमानः पुस्तकालयाच्यक्ष एवं कम्प्यूटरं केन्द्र प्रचारी, फूतहराज्द महिला वहाविश